खाद्य एवं पोषण रणनीति पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कल से

पंतनगर। 9 सितम्बर, 2009। विश्वविद्यालय के गृहविज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 11–12 सितम्बर 2009 को दो–दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। "जीवन की गुणवत्ता सुधारने हेतु पोषण रणनीति" विषयक इस सेमिनार के मुख्य अतिथि सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी, लुधियाना के निदेशक डा. आर.टी. पाटिल होंगे। इस राष्ट्रीय सेमिनार में कुपोषण की समस्या एवं उनके निदान के साथ–साथ विभिन्न सम्बन्धित विषयों जैसे– पोषण स्वास्थ्य एवं वातावरण, स्वास्थ्य पोषण, न्यूट्रीजीनोमिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, गुणवत्ता एवं सुरक्षा पर व्याख्यान एवं विचार–विमर्श किया जायेगा। साथ ही बहुआयामी दृष्टिकोंण पर आधारित पोषण रणनीति तैयार की जायेगी। इस दो–दिवसीय सेमिनार में देश के लगभग सभी राज्यों जैसे– पंजाब, हरियाणा, उड़ीसा, आन्ध्रप्रदेश, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, हिमाँचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 200 वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्रायें भाग ले रहे हैं। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आई.सी.एम.आर., आई.आई.टी. मदर डेयरी से लब्ध प्रतिष्ठित वैज्ञानिक भी अपने व्याख्यान एवं विचार प्रस्तुत करेंगे।

विश्वविद्यालय फार्म में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया

पंतनगर। 9 सितम्बर, 2009। पं. गोविन्द बल्लभ पन्त की 122वीं जयन्ती की पूर्व संध्या पर विष्वविद्यालय फार्म परिक्षेत्र के 'एन' एवं 'ओ' खण्ड में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट के

निर्देषन में किया गया, जो कि मुख्य महाप्रबन्धक, फार्म डा. ए.के. भारद्वाज एवं फार्म के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कृषि श्रमिकों के सहयोग से सम्पन्न कराया गया।

अपने संक्षिप्त संबोधन में कुलपति महोदय ने फार्म प्रबन्धन द्वारा फार्म के सुधार एवं विकास में किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुये कहा कि इस तरह के वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम फार्म के प्रत्येक खण्ड के अतिरिक्त विष्वविद्यालय की विभिन्न अनुसंधान इकाइयों पर भी किया जाना चाहिए जो स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण का निर्माण करने तथा आर्थिक दृष्टि से भी विष्वविद्यालय एवं प्रदेष की उन्नति में सहायक होगा। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबन्धक, फार्म डा. भारद्वाज ने बताया कि विष्वविद्यालय फार्म की कम होती जा रही जमीन की कमी की भरपाई करने के उद्देश्य से फार्म परिसर में बह रहे नदी नालों के किनारे बेकार पड़ी भूमि को सुधारकर कृषि योग्य बनाया जा रहा है। साथ ही विगत वर्षों में फार्म की उपजाऊ भूमि से वर्षा के पानी के साथ मिट्टी का कटाव हो रहा था जिसको लगातार अनुश्रवण करते रहने के फलस्वरूप इसे रोके जाने की कार्यवाही की गयी। इसके अंतर्गत फार्म पर लगभग 50 एकड़ भूमि कृषि योग्य बनायी जा चुकी है तथा इस सुधार की गयी भूमि का कटाव रोकने तथा भविष्य में फार्म की आर्थिक आय में वृद्धि के उद्धेष्य से बाँस की दो प्रजातियों के 2500 पौधे नदी नालों के किनारे रोपित किये गये। कुलपति डा. बिष्ट ने फार्म पर स्थित पषुधन में लग रहे खुरपका रोग का संज्ञान भी लिया जिसके संदर्भ में अधिष्ठाता, पषुचिकित्सा डा. जी.के. सिंह ने पूर्ण तत्परता से पषुचिकित्सा हेतु सहयोग एवं कार्यवाही करने का आष्वासन दिया। उन्होने बताया कि इसके लिये पषु चिकित्सकों का दल पूर्व से ही कार्य कर रहा है। कुलपति ने पषुधन में पूर्व में ही टीकाकरण कराने जैसी सावधानी रखने की आवष्यकता पर जोर दिया। डा. ए.के. भारद्वाज ने बताया कि फार्म के पषुधन पर पूर्ण रूप से उपचार कार्य चल रहा है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डा. एम.पी. सिंह, निदेषक प्रषासन, डा. के.के. सिंह, अधिष्ठाता, पषुचिकित्सा महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह, विभागाध्यक्ष, मृदा संरक्षण विभाग, डा. देवेन्द्र कुमार, विभागाध्यक्ष, सिविल इन्जीनियरिंग, डा. बी.एस. माहर, संयुक्त निदेषक, बीज प्रजनक केन्द्र, डा. बी. यादव, के अतिरिक्त फार्म के अधिकारी इं. एन.पी. अग्रवाल, इं. ए.के. शर्मा, इं. आर.के. सिंह, इं. एम.आर. आर्य, डा. जे.सी. बडोला, सहायक निदेषक कृषि कार्य, श्री के.एन. पाठक, श्री आर.के. वर्मा एवं खण्ड अधीक्षक, श्री राममूर्ति लाल, श्री हरिहर सिंह, श्री आर.पी. सोलंकी, श्री आर.पी.एस. यादव, श्री ए.के. तोमर, श्री आर.बी. वर्मा, श्री टी.सी. श्रीवास्तव, श्री राजाराम, श्री विनोद बिरखानी भी उपस्थित थे।

ई.मेल.चित्र सं.–1. विश्वविद्यालय फार्म में वृक्षारोपण करते हुए कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट।